रामेश्वर महाविद्यालय, मुजफ्फरपुर

(बी. आर. ए. बिहार विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर की अंगीभूत इकाई)

नैक ग्रेड 'बी'

प्रवेशांक : वर्ष-1 | **अक्षरामृत : न्यूज लेटर** | जुलाई - सितम्बर, 2025

प्रो. (डॉ.) श्यामल किशोर
प्राचार्य

प्रो. (डॉ.) दिनेश चंद्र राय
माननीय कुलपति, बी.आर.ए. बिहार वि.वि.

महाविद्यालय का संक्षिप्त परिचय

'रामेश्वर महाविद्यालय' बाबासाहेब भीमराव अंबेदकर बिहार विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर की अंगीभूत इकाई है। 1965 ई. में स्थापित यह महाविद्यालय इस वर्ष हीरक जयंती वर्ष में प्रवेश कर रहा है। महाविद्यालय में कला, विज्ञान और वाणिज्य संकाय में स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर तक वाणिज्य विषय में उत्कृष्ट शिक्षा की व्यवस्था है। व्यावसायिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत बी.बी.ए एवं बी. सी.ए. की भी पढ़ाई होती है। शहर के कोलाहल से दूर बूढ़ी गंडक एवं मरीन-ड्राइव के तट पर यह महाविद्यालय अवस्थित है। छात्र-छात्राओं की समाजिक, सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय चेतना को जागृत करने में एन.सी.सी. एवं एन.एस.एस. इकाई की सक्रिय भागीदारी रहती है। 'रामेश्वर महाविद्यालय' का उद्देश्य मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करना और छात्र-छात्राओं के लिए अनुकूल शैक्षणिक वातावरण का निर्माण करना है।

रामेश्वर महाविद्यालय के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएं अपनी विलक्षण दक्षता और अटूट संकल्प के बल पर सफलता के नए आयाम रच रहे हैं। वे शैक्षणिक, सांस्कृतिक और प्रतियोगी मंचों पर अद्वितीय प्रदर्शन कर संस्थान की गौरवगाथा को स्वर्णाक्षरों में अंकित कर रहे हैं। इनकी उपलब्धियाँ न केवल महाविद्यालय की प्रतिष्ठा को उँचाइयों पर पहुँचा रही हैं बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रही हैं।

महाविद्यालय की विशेषताएँ

- अध्ययन एवं अध्यापन की उत्कृष्ट व्यवस्था
- नियमित वर्ग संचालन
- स्मार्ट बोर्ड युक्त कक्षाएँ
- खेल-कूद का मैदान
- पर्यावरण युक्त परिसर
- एकेडमिक कैलेन्डर
- ऑनलाईन नामांकन एवं परीक्षा फार्म संबंधी कार्य
- किशोरी सिन्हा सभागार एवं कॉनफ्रेंस हॉल
- छात्र-छात्राओं के लिए सुसज्जित सामान्य कक्ष एवं कॉमन रूम
- क्रीड़ा भवन एवं नियमित खेलकूद सक्रियता
- ई-लाईब्रेरी सह सुसज्जित अध्ययन कक्ष
- आधुनिक सुसज्जित विज्ञान प्रयोगशाला
- वेस्ट मेनेजमेंट
- एन.सी.सी. एवं एन.एस.एस. की सशक्त इकाई
- मुफ्त वाई-फाई की सुविधा
- शिकायत एवं सुझाव पेटी
- नियमित शैक्षणिक कार्यक्रमों का संचालन
- पूछताछ काउंटर
- बहुउद्देशीय काउंटर
- समृद्ध बोटेनिकल गार्डेन
- नियमित कैरियर काउंसलिंग
- न्यूज लेटर/स्मारिका एवं शोध पत्र का प्रकाशन

प्रधान संरक्षक
प्रो. (डॉ.) दिनेश चंद्र राय
कुलपति

संरक्षक
प्रो. (डॉ.) श्यामल किशोर
प्राचार्य

संपादक
डॉ. उपेन्द्र प्रसाद
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग

प्रबंध संपादक
डॉ. अभिनय कुमार एवं
डॉ. पूनम सिन्हा
हिन्दी विभाग

प्राचार्य की कलम से .....

शिक्षा केवल ज्ञान का प्रसार नहीं, बल्कि जीवन के सर्वांगीण विकास का एक सशक्त माध्यम है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए 'अक्षरामृत' त्रैमासिक न्यूज लेटर के माध्यम से महाविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेलकूद एवं अन्य गतिविधियों की अभिव्यक्ति का एक प्रयास है। यह न्यूज लेटर जुलाई 2025 से सितम्बर 2025 तक के महाविद्यालय में होने वाले विभिन्न गतिविधियों का एक अमिट दस्तावेज है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि विभिन्न विभागों एवं शिक्षकों के द्वारा किए गए उत्कृष्ट शैक्षणिक गतिविधियों को 'अक्षरामृत' में स्थान मिलने से महाविद्यालय के अन्य विभाग भी अभिप्रेरित होंगे।

प्रो. (डॉ.) श्यामल किशोर
प्राचार्य

संपादकीय...

'अक्षरामृत' – 'ज्ञान, संस्कार और नवोन्मेष का संगम'

ज्ञान, विचार, संवाद और संस्कार के इस नवाचार की प्रतिनिधि दस्तावेज स्वरूप महाविद्यालय के 'न्यूज लेटर' **'अक्षरामृत'** के प्रवेशांक को आप पाठकों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए हर्ष की अनुभूति हो रही है। हमारा महाविद्यालय शिक्षा की परम्परा, अनुशासन और प्रगति की समृद्ध धारा में सदैव अग्रणी रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय की शैक्षणिक, सांस्कृतिक तथा बौद्धिक गतिविधियों की सूचनात्मक रूप से प्रस्तुति के उद्देश्य से यह 'न्यूज लेटर' प्रारम्भ किया जा रहा है जो न केवल हमारे इस सतत् प्रगतिशील शिक्षण संस्थान की उपलब्धियों का दर्पण है बल्कि छात्र–छात्राओं, शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के सृजनात्मक प्रयासों का मंच भी होगा।

डॉ. उपेद्र प्रसाद
संपादक

'अक्षरामृत' की परिकल्पना का श्रेय दर्शनशास्त्र के विद्वान और महाविद्यालय के सम्मानीय प्राचार्य प्रो. (डॉ.) श्यामल किशोर जी को जाता है जिन्होंने पदभार ग्रहण करते ही महाविद्यालय में नवाचार, पारदर्शिता और संवाद के एक नए अध्याय की शुरुआत की। उन्होंने न केवल इस 'न्यूज लेटर' की आवश्यकता महसूस की बल्कि इसे अतिशीघ्र साकार करने की योजना हेतु मार्गदर्शन भी दिया।

'अक्षरामृत' मात्र सूचनाओं का संग्रह नहीं है अपितु एक विचार प्रवाह है। जो शिक्षा, अनुसंधान, साहित्यिक सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व के भाव को प्रकट करेगा। यह संस्थान की विभिन्न गतिविधियों, नवाचारों और उपलब्धियों को छात्र छात्राओं, अभिभावकों और समाज के बुद्धिजीवियों तक पहुँचाने का रचनात्मक माध्यम बनेगा। अन्त में मैं **'अक्षरामृत'** के प्रकाशन में महाविद्यालय परिवार की भागीदारी एवं रचनात्मक सहयोग के लिए आभार प्रकट करता हूँ।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

- प्राचार्य प्रो. श्यामल किशोर : 05–06 अगस्त एम.डी. कॉलेज नौबतपुर में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'विकसित भारत 2047 और भारतीय ज्ञान परम्परा का अन्तर्सम्बन्ध,' 23 सितम्बर, 2025 को टी. पी. एस. कॉलेज, पटना में दिनकर जयंती समारोह में मुख्य अतिथि तथा 24–25 सितम्बर, 2025 को रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम मुजफ्फरपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारतीय राष्ट्रवाद और विवेकानन्द की अन्तर्दृष्टि' पर व्याख्यान।
- हिन्दी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. उपेन्द्र प्रसाद एवं डॉ. अभिनय कुमार ने जुलाई 2025 में नेपाल में आयोजित 'दी पब्लिक' पत्रिका के दो दिवसीय साहित्यिक समारोह में सहभागिता एवं शोध–पत्र की प्रस्तुति। 11–26 सितम्बर तक बिहार वि.वि. द्वारा आयोजित पुनश्चर्चा पाठ्यक्रम में सहभागिता। एवं अगस्त, 2025 में नराकास मुजफ्फरपुर द्वारा आयोजित राजभाषा संगोष्ठी में सहभागिता।

नए प्राचार्य प्रो. (डॉ.) श्यामल किशोर ने पदभार ग्रहण किया

दिनांक 27 जुलाई को महाविद्यालय में विश्वविद्यालय सेवा आयोग से अनुशंसित प्राचार्य प्रो. (डॉ.) श्यामल किशोर ने अपना पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार ने नए प्राचार्य का गर्मजोशी से स्वागत और अभिनंदन किया। एन.सी.सी के कैडेट्स ने उन्हें सलामी दी। इसी क्रम में दिनांक 28 जुलाई 2025 को नवागत प्राचार्य ने महाविद्यालय के शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की संयुक्त बैठक में अपने भावी कार्य योजना एवं महाविद्यालय में अनुशासन का पालन करने की अपील की।

प्रेमचंद जयंती

1 अगस्त 2025 को प्रेमचंद जयंती के अवसर पर 'प्रेमचंद का भारत : स्वप्न और यथार्थ' विषय पर संगोष्ठी में प्रो. शशिभूषण चौधरी एवं डॉ. सुशांत कुमार ने प्रेमचंद के साहित्य में निहित सामाजिक यथार्थ के विभिन्न पहलुओं पर विमर्श किया।

प्रेरणात्मक गोष्ठी

20 अगस्त 2025 को एम. कॉम चतुर्थ सेमेस्टर (2023–2025) के विद्यार्थियों के लिए वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित प्रेरणात्मक गोष्ठी के मुख्य वक्ता पूर्व कुलपति प्रो. तपन कुमार शांडिल्य ने अपने प्रेरणादायक विचारों से सफल जीवन के मूल मंत्र को रोखांकित किया।

दीक्षारंभ समारोह

19 अगस्त 2025 को कला, विज्ञान एवं बी.सी.ए. तथा 20 अगस्त 2025 को वाणिज्य संकाय एवं बी.बी.ए. के छात्र–छात्राओं के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विख्यात रंगकर्मी साहित्यकार प्रो. (डॉ.) जावेद अख़्तर मुख्य अतिथि के रूप में जीवन में अनुशासन एवं आचरण के महत्त्व को बताया।

सम्मान व शिष्टाचार भेंट

8 सितम्बर 2025 को रामेश्वर महाविद्यालय, मुजफ्फरपुर के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) श्यामल किशोर ने भारत सरकार के माननीय जल–शक्ति राज्य मंत्री एवं स्थानीय सांसद डॉ. राजभूषण चौधरी से अतिथि गृह में शिष्टाचार भेंट कर महाविद्यालय में कक्षाओं की कमी की समस्या से अवगत कराया तथा इसके समाधान हेतु सहयोग का अनुरोध किया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह 15 अगस्त 2025

रामेश्वर महाविद्यालय में15 अगस्त 2025 को स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास से मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि श्री भावात्मानंद जी सचिव रामकृष्ण मिशन सेवा आश्रम मुजफ्फरपुर एवं महाविद्यालय के सेवानिवृत प्राध्यापकों और कर्मचारियों को प्राचार्य द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एन.एस.एस., एन.सी.सी. एवं सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों ने देशभक्ति नाटक, गीत और नृत्य से स्वतंत्रता के अमर संदेश को जीवंत कर दिया।

शिक्षक दिवस समारोह

महाविद्यालय में दिनांक 09 सितंबर, 2025 को शिक्षक दिवस समारोह आई.क्यू.ए.सी. एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित किया गया। शिक्षक दिवस समारोह के मुख्य अतिथि रूसा के उपाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) कामेश्वर झा विशिष्ट अतिथि कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. कुलानंद झा, अरबी फारसी मौलाना मजहरूल हक विश्वविद्यालय के पूर्व उपकुलपति प्रो. (डॉ.) तौकीर आलम ने अपनी गरिमायी उपस्थिति दर्ज की और शिक्षकों की समाज में भूमिका पर अपने सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए।

एन.एस.एस. स्थापना दिवस समारोह

24 सितंबर, 2025 को महाविद्यालय में एन.एस.एस. की स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधान परिषद् के माननीय सदस्य वंशीधर ब्रजवासी ने युवाओं के सर्वांगीण विकास और उनके सामाजिक उत्तरदायित्व तथा राष्ट्र सेवा की भावना एन.एस.एस. का उद्देश्य बताया। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में छठ पर्व की झाँकी विशेष आकर्षण का केन्द्र रही। इसके पूर्व हर–घर तिरंगा, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण जैसे कार्यों में भी एन.एस.एस. की प्रशंसनीय भूमिका रही।

आकाशवाणी पटना द्वारा आयाजित आशु भाषण प्रतियोगिता

आकाशवाणी पटना द्वारा 10 सितंबर 2025 को विश्वविद्यालय सीनेट हॉल में आयोजित आशु भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त महाविद्यालय की छात्रा वैभव लक्ष्मी को माननीय कुलपति प्रो. (डॉ) दिनेश चंद्र राय ने पुरस्कृत किया। शिव शंकर कुमार और मौसम सिंह को सान्त्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

'हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य' विषयक संगोष्ठी

15 सितम्बर 2025 को हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित 'हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य' विषयक संगोष्ठी में प्रसिद्ध आलोचक प्रो. (डॉ.) तरुण कुमार और प्रो. (डॉ.) रामप्रवेश सिंह का विद्वतापूर्ण व्याख्यान।

Inter-College Science Fest (20th to 22nd Sept. 2025)

(Prize distribution ceremony on 27th Sept. 2025)

Prof. D. C. Rai, Hon'ble Vice Chancellor & Registror Prof. S. K. Sharma, B.R.A. Bihar University listening to Richa Kumari winner of Model competition.

Faculty members and participants attending the Science Fest Prize distribution ceremony in Kishori Sinha Auditorium

Participants and winner of Science Fest with their certificates and momentos

खबरों में रामेश्वर महाविद्यालय